Raid on Stock Exchange in Bombay

5. SHRI SHANKAR SINH VAGHELA:
SHRI ADINARAYANA REDDY:
SHRI RAFIQUE ALAM:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a raid on the Bombay Stock Exchange was conducted on the 4th July, 1985; and

(b) if so, what are the details in this regard and the outcome thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) and (b) The Income-tax Department did not conduct searches on Bombay Stock Exchange as such on 4-7-1985.

In connection with searches in the cases of certain Public Limited Investment Companies, only 5 share-brokers were searched. The searches resulted in seizure of *prima-facie* unaccounted assets valued at Rs. 58 lakhs approximately which include assets valued at Rs. 16 lakhs seized from two share-brokers.

इस्पात संयंत्रों की उत्पादन क्षमता

6. **श्री शंकर सिंह वाघेला :**
श्री अश्विनी कुमार :
श्री कैलाश पति मिश्र :

क्या इस्पात, खान और कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उन्होंने 23 जून को राउरकेला में यह कहा था कि सरकारी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 90 लाख टन प्रतिवर्ष है परन्तु उनके दोषपूर्ण आयोजन के कारण पिछले वर्ष उनका वास्तविक उत्पादन केवल 56 लाख टन ही रह गया यदि हां, तो इस संबंध में संयंत्रवार ब्यौरा क्या है ;

(ख) प्रत्येक संयंत्र की उत्पादन क्षमता कितनी-कितनी है तथा प्रत्येक संयंत्र द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान, वर्षवार, कितना-कितना विक्रेय योग्य इस्पात तैयार किया गया है; और

(ग) गत वर्ष क्षमता से कम उत्पादन होने के कारण कितनी हानि हुई ?

इस्पात विभाग में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह) : (क) 25 जून, 1985 के "स्टेट्समैन" में मंत्री महोदय के वक्तव्य को सही ढंग से पेश नहीं किया गया है । उन्होंने कहा था कि अन्य देशों के मुकाबले में भारत में इस्पात की खपत कम है, भले ही तथ्य यह है कि हमने देश के योजना-बद्ध विकास का रास्ता अपनाया है ।

(ख) पिछले तीन वर्ष के दौरान "सेल" के कारखानों में विक्रेय इस्पात की क्षमता तथा उनका उत्पादन और वर्ष 1985–86 की योजना का ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट CXXXV अनुपत्र संख्या 1]

(ग) एक औद्योगिक उपक्रम के वित्तीय परिणाम अनेक कारणों पर निर्भर करते हैं । जिनमें क्षमता का उपयोग भी शामिल है । मात्र एक कारण के लिए लाभ अथवा हानि आंकना उचित न होगा ।

Trade ties with the USA

7. SHRI JAGADISH JANI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have taken steps to establish better trade ties with the United States;

(b) if so, what are the different trade deals recently signed with the USA;

(c) what are the items in which Indo-US trade is proposed to take place; and

(d) what are the details of the targets fixed by both the countries in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. A. SANGMA): (a) to (d) No formal trade agreement between the two Governments has been signed. However, steps